लोक सभा अध्यक्ष जयपुर में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (एआईपीओसी) की अध्यक्षता करेंगे

...

लोकसभा अध्यक्ष ने एआईपीओसी की स्थायी समिति की अध्यक्षता की

...

एआईपीओसी का आयोजन जयपुर में 11-12 जनवरी 2023 को होगा।

...

भारत के उपराष्ट्रपति सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

...

राजस्थान के राज्यपाल और मुख्य मंत्री के साथ ही केंद्रीय मंत्री; राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष और अन्य गणमान्य लोग भी इस सम्मेलन में भाग लेंगे

...

एआईपीओसी में जी-20 में भारत की अध्यक्षता सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी

...

इस सम्मेलन में विधायिका और न्यायपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों पर भी विचार-विमर्श होगा

...

डिजिटल संसद के साथ राज्य विधानसभाओं को जोड़ने और विधायी निकायों की जवाबदेही के विषय भी सम्मेलन के एजेंडा में शामिल हैं

...

एआईपीओसी से पहले 10 जनवरी 2023 को विधायी निकायों के सचिवों के 59वें सम्मेलन का आयोजन किया गया

...

जयपुर; 10 जनवरी, 2023: अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 83वें सम्मेलन (एआईपीओसी) का आयोजन 10 से 13 जनवरी, 2023 तक जयपुर में किया जा रहा है। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। श्री बिरला इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए जयपुर पहुंच चुके हैं। उनके आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें सलामी गारद दिया गया।

इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान पूरे देश की विधान सभाओं और विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारी जी-20 में भारत के नेतृत्व से लेकर विधायिका और न्यायपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों जैसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

AIPOC के भाग के रूप में, भारत के विधायी निकायों के सचिवों का 59वां सम्मेलन आज आयोजित किया गया जिसमें निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई :

I. राज्य विधानमंडलों में समिति प्रणाली को मजबूत करके कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करना;

II. डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से भारत के विधायी निकायों को जोड़ना; और

III. विधानमंडलों की पहुंच का विस्तार करके भारत के विधायी निकायों को लोगों के करीब लाना।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह ने विधानमंडलों द्वारा कोविड महामारी के बावजूद अपने विधायी दायित्वों का निर्वहन किए जाने की सराहना की। श्री सिंह ने कहा कि विधानमंडलों की बैठकें हुई; कई महत्वपूर्ण कानूनों पर विचार-विमर्श किया गया और कोविड महामारी के बावजूद लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा किया गया। श्री सिंह ने सांसदों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के सांसद सीपीए के सदस्य और कोषाध्यक्ष बने हैं जिससे भारत का गौरव बढ़ा है।

श्री सिंह ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विधानमंडल अपनी दक्षता और प्रभावोत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने डिजिटल संसद परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परियोजना के लागू होने के बाद, सदस्यों को एक व्यापक डिजिटल मंच उपलब्ध होगा जिससे उन्हें अपने कार्य करने में बहुत सुविधा होगी।

भारत द्वारा वर्ष 2023 में जी-20 देशों की मेजबानी के बारे में विचार व्यक्त करते हुए, श्री सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि जी-20 के मौके पर भारत की संसद पी-20 सम्मेलन का आयोजन करेगी जिसमें जी-20 देशों के पीठासीन अधिकारी और सांसद विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेंगे। श्री सिंह ने सम्मेलन के आयोजन और पीठासीन अधिकारियों, सचिवों और अन्य विशिष्टजनों के आतिथ्य-सत्कार के लिए राजस्थान विधान सभा को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर राज्य सभा के महासचिव, श्री पी सी मोदी और राजस्थान विधान सभा के प्रधान सचिव, श्री महावीर प्रसाद शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

बाद में, शाम को, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला AIPOC की स्थायी समिति की अध्यक्षता की, जिसमें G-20 में भारत के नेतृत्व सहित सम्मेलन की कार्यसूची के अन्य मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोकतंत्र की जननी के रूप में, भारत विश्व के लोकतांत्रिक देशों के लिए एक आदर्श है। संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं के मामलों में भारत का उदाहरण दिया जाता हैं। इस संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है कि अगले एक साल में जी-20 देशों के साथ-साथ भारत दुनिया भर के देशों में लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की दिशा में मार्गदर्शक की भूमिका निभाए।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ 11 जनवरी, 2023 को सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला; राजस्थान के मुख्य मंत्री, श्री अशोक गहलोत; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश और राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. सी.पी. जोशी उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे।

83वें AIPOC में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा होगी:

I. जी-20 में लोकतंत्र की जननी भारत का नेतृत्व;

II. संसद और विधानमंडलों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और उपयोगी बनाने की आवश्यकता;

III. डिजिटल संसद के साथ राज्य विधानमंडलों को जोड़ना; और

IV. संविधान के आदर्शों के अनुरूप विधायिका और न्यायपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 83वें सम्मेलन का समापन सत्र 12 जनवरी 2023 को होगा। राजस्थान के राज्यपाल, श्री कलराज मिश्र समापन भाषण देंगे। समापन सत्र में लोक सभा अध्यक्ष, राजस्थान के मुख्य मंत्री, राज्य सभा के उपसभापति और राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष भी शामिल होंगे।